THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

# डायरी का एक पन्ना

## प्रश्न उत्तर

## क.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25 - 30) शब्दों में लिखिए|

1. 26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियां की गई?

उत्तर.26 जनवरी 1921 के दिन को अमर बनाने के लिए कोलकाता वासियों ने अपनी तैयारियाँ की थी, जैसे लोगों ने अपने मकानों को खूब सजाया था शहर के प्रत्येक भाग में राष्ट्रीय झंडे लगाए गए थे, कुछ लोगों ने तो अपने घर और दुकानों को ऐसे सजाया था जैसे स्वतंत्रता प्राप्त ही हो गई हो।मोनू मेट के नीचे शाम को झंडा फहराने और सभा का आयोजन किया गया था।

2. आज तो बात ही वगैरा ली थी किस बात से पता चलता है कि आज का दिन अपने आप में निराला है स्पष्ट कीजिए?

उत्तर. 26 जनवरी का दिन अपने आप में निराला था क्योंकि इस दिन को निराला बनाने के लिए कोलकाता वासी हर संभव प्रयास कर रहे थे। निषेधाज्ञा के बावजूद सैकड़ों लोग तीन बजे से ही पार्क में पहुँच रहे थें, स्त्रियाँ भी जुलूस में बढ़-चढ़कर भाग ले रही थीं।लोग तो टोलियाँ बना-बना कर मैदान में घूम रहे थे 23और जगह-जगह राष्ट्रीय झंडे कराए जा रहे थे

3. पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था? उत्तर- पुलिस कमिश्नर के नोटिस में कहा गया कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार सभा नहीं हो सकती यदि आप सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएंगे।कौंसिल के नोटिस में कहा गया कि मोनू मेट के नीचे ठीक 4:24 पर झंडा फहराया जाएगा

और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। ऐसा खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी पुलिस कमिश्नर के नोटिस में जहाँ सरकार अपना भय दिखाकर जनता के ऊपर अपने मनमाने कानूनों को थोप रही थी, वहीं पर आम जनता ऐसे कानूनों का उल्लंघन कर अपनी देशभक्ति का परिचय दे रही थी ।

4. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गई?

उत्तर -पुलिस की जनता पर लाठियाँ  बरसाने,लोगों के घायल होने और सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के कारण धर्मतल्लेके मोड़ पर आकर जुलूस टूट  गया।

5. डॉक्टर दास गुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देखरेख तो कर ही रहे थे उनकी फोटो भी उतरवा रहे थे उन लोगों की फोटो खींचने की क्या वजह हो सकती है स्पष्ट कीजिए?

उत्तर - डॉक्टर दास गुप्ता द्वारा लोगों की फोटो खींचने की वजह यह थी कि पूरा देश अंग्रेजी सरकार के इस अमानवीय कृत्य को देखें और प्रेरित होकर अंग्रेजों का विरोध करें और देश से अंग्रेजों को बाहर करने में अपना सहयोग दें। समाचार पत्रों में इसे छपवा कर सारे देश को इसके बारे में बताया जा सके।

## ख. .निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में लिखें

1. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

उत्तर -सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की विशेष और बड़ी अहम भूमिका रही थी। स्त्रियों ने अपने-अपने तरीकों से जुलूस निकाला।जानकी देवी और मदालसा बाजाज जैसी स्त्रियों ने जुलूस का सफल नेतृत्व किया झंड़ोत्सव में पहुँचकर मोनू मेट की सीढ़ियों पर चढ़कर झंडा फहरा कर घोषणा पत्र पढ़ा। करीब 105 स्त्रियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, स्त्रियों ने अंग्रेजों के अत्याचार का सामना किया।

2. जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई?

उत्तर -जुलूस के लाल बाजार पहुँचते ही पुलिस ने लोगों पर लाठियाँ बरसाना शुरू कर दिया।सुभाष बाबू को पकड़ कर जेल भेज दिया गया।मदालसा बजाज भी पुलिस द्वारा पकड़ी गई इस जुलूस में कई लोग घायल और गिरफ्तार हुए।

3. 'जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी।' यहाँ पर कौन से और किसके द्वारा लागू किए गए कानून को भंग करने की बात कही गई है?क्या कानून भंग करना उचित था? पाठ के संदर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर:- यहाँ पर पुलिस कमिश्नर के द्वारा कानून को भंग करने की बात की गई है- इस कानून के अनुसार किसी भी प्रकार की सभा आयोजित करना या उस में भाग लेने की मनाही थी। मेरे विचार से यह कानून भंग करना अति आवश्यक था क्योंकि यदि ऐसा ना किया जाता तो देश में स्वतंत्रता की आग को और बढ़ावा ना मिलता साथ ही अंग्रेजों के कानून को भंग करना उनके लिए खुली चुनौती थी कि यह देश भारतीयों का था, है और रहेगा।

4. बहुत से लोग घायल हुए, बहुतों को लॉकअप में रखा गया, बहुत -सी स्त्रियाँ जेल गई, फिर भी इस दिन को अपूर्व बताया गया है।आपके विचार में यह सब अपूर्व क्यों है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर -मेरे अनुसार यह दिन अपूर्व इसलिए था क्योंकि इससे पहले कोलकाता में इतने बड़े स्तर पर जुलूस नहीं निकाला गया था और ना ही इस प्रकार से सरकार को खुली चुनौती दी गई थी।स्त्रियों का इतनी बड़ी संख्या में भाग लेना और अपनी गिरफ़्तारी देना भी इस दिन को अपूर्व बनाता है।